केंद्रीय वद्यिालय सीमा सुरक्षा बल अरधपुर

KENDRIYA VIDYALAYA B.S.F. ARADHPUR

VIRTUAL MUSIC CLASS ROOM

सरस्वती वंदना

hb

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृताया
वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभि र्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥1॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां
जगद्व्यापिनींवीणापुस्तकधारिणीमभयदां।
जाड्यान्धकारापहाम्हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं
पद्मासने संस्थिताम्वन्दे तां परमेश्वरीं
भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम् ॥2॥

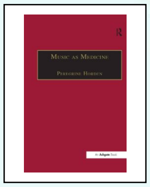

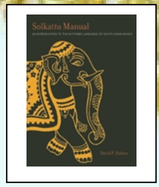

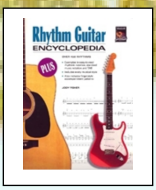

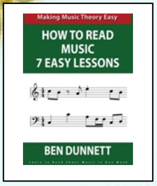

संगीत प्रभा

संगीत विशारद

संगीत शास्त्री

संगीत सागर

भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रकार

भारतीय शास्त्रीय नृत्य
1. कत्थक:-
यह उत्तर भारत में प्रचलित शास्त्रीय नृत्य है।
प्रसिद्ध कलाकार:- गोपी कृष्ण,बिरजू महाराज,सितारा देवी,उमा शर्मा, कुमुदनी लखिया,दमयंती जोशी आदि

2. भरतनाट्यम:-
यह दक्षणि भारत का प्रसद्धि शास्त्रीय नृत्य है।
प्रसद्धि कलाकार:- सोनल मानसहि, यमनिी कृष्णमूर्त,ि पद्मा सुब्रमण्यम, लीला सैमसन आदि

3. कथकली:-
यह केरल एवं मलाबार प्रदेश का शास्त्रीय नृत्य है।
प्रसद्धि कलाकार:- उदय शंकर, कृष्णकुट्टी माधवन, रामगोपाल, शांताराव, आनंदा शविरमन आदि

4. मणिपुरी:-

यह भारत के पूर्वी छोर पर मुख्यतः मणिपुर में प्रचलित शास्त्रीय नृत्य है।

प्रसिद्ध कलाकार:- रीता देवी, झावेरी बहनें, सविता मेहता, थंबल यायमिा आदि

5. कुचीपुड़ी:-

यह आंध्र प्रदेश का परंपरागत नृत्य नाट्य है।

प्रसिद्ध कलाकार:- लक्ष्मीनारायण शास्त्री, चिंताकृष्णमूर्ति, यमिनी कृष्णमूर्ति, राजा राधा रेड्डी, वेमन्ती सत्यनारायन आदि

6. ओडिसी:-
यह ओड़ीशा का परंपरागत नृत्य है ।
प्रसिद्ध कलाकार:- सोनल मानसिंह, मिनती दास, सन्युक्ता पाणिग्रही, प्रियंवदा मोहंती आदि

7. मोहिनीअट्टम:-
यह केरला की प्रसिद्ध नृत्यशैली है।
प्रसिद्ध कलाकार:- भारती शिवाजी, श्रीकृष्ण पणिक्कर आदि।

भारत के विभिन्न राज्यों के प्रमुख लोक नृत्य

आंध्रप्रदेश	कुचीपुड़ी, घंटामरदाला, ओट्टम थेडल, वेदी नाटकम।
असम	बीहू, बीछुआ, नटपूजा, महारास, कालगोपाल, बागुरुम्बा, नागा नृत्य, खेल गोपाल, ताबाल चोनग्ली, कानोई, झूमरा होबजानाई।
बिहार	जाट– जाटिन, बक्खो– बखैन, पनवारिया, सामा चकवा, बिदेसिया।
गुजरात	गरबा, डांडिया रास, टिप्पनी जुरुन, भावई।
हरियाणा	झूमर, फाग, डाफ, धमाल, लूर, गुग्गा, खोर, जागोर।
हिमाचल प्रदेश	झोरा, झाली, छारही, धामन, छापेली, महासू, नटी, डांगी।
जम्मू और कश्मीर	रऊफ, हीकत, मंदजात, कूद डांडी नाच, दमाली।
कर्नाटक	यक्षगान, हुट्टारी, सुग्गी, कुनीथा, करगा, लाम्बी।
केरल	कथकली (शास्त्रीय), ओट्टम थुलाल, मोहिनीअट्टम, काईकोट्टिकली।
महाराष्ट्र	लावणी, नकाटा, कोली, लेजिम, गाफा, दहीकला दसावतार या बोहादा।
ओडीशा	ओडिसि (शास्त्रीय), सवारी, घूमरा, पैंरास मुनारी, छाउ।
पश्चिम बंगाल	काठी, गंभीरा, ढाली, जतरा, बाउल, मरासिया, महाल, कीरतन।
पंजाब	भांगड़ा, गिद्दा, दफ्फ, धामन, भांड, नकूला।
राजस्थान	घूमर, चाकरी, गणगौर, झूलन लीला, झूमा, सुईसनी, घपाल, कालबेलिया।
तमिलनाडु	भरतनाट्यम, कुमी, कोलट्टम, कवाडी।
उत्तर प्रदेश	नौटंकी, रासलीला, कजरी, झोरा, चाप्पेली, जैता।
उत्तराखंड	गढ़वाली, कुंमायुनी, कजरी, रासलीला, छाप्पेली।
गोवा	तरंगमेल, कोली, देक्खनी, फुग्दी, शिग्मो, घोडे, मोडनी, समायी नृत्य, जगर, रणमाले, गोंफ, टून्नया मेल।
मध्यप्रदेश	जवारा, मटकी, अडा, खाड़ा नाच, फूलपति, ग्रिदि नृत्य, सालेलार्की, सेलाभडोनी, मंच।
छत्तीसगढ़	गौर मारिया, पैंथी, राउत नाच, पंडवाणी, वेडामती, कपालिक, भारथरी चरित्र, चंदनानी।
झारखंड	अलकप, करमा मुंडा, अग्नि, झूमर, जनानी झूमर, मर्दाना झूमर, पैका, फगुआ, हूंटा नृत्य, मुंदारी नृत्य, सरहुल, बाराओ, झीटका, डांगा, डोमचक, घोरा नाच।
अरुणाचल प्रदेश	बुईया, छालो, वांचो, पासी कोंगकी, पोनुंग, पोपीर, बारडो छाम।
मणिपुर	डोल चोलम, थांग टा, लाई हाराओबा, पुंग चोलोम, खांबा थाईबी, नूपा नृत्य, रासलीला, खूबक इशेली, लोहू शाह।
मेघालय	का शाद सुक मनिसेइम, नॉन्ग्रेम, लाहो।
मिजोरम	छेरव नृत्य, खुल्लम, चैलम, स्वलाकिन, च्वांगलाईज्वान, जंगतालम, पर लाम, सरलामकई/ सोलाकिया, लंगलम।
नागालैण्ड	रंगमा, बांस नृत्य, जीलैंग, सूईरोलियंस, गीथिंगलिम, तमिांगनेतिन, हेतलईयूली।
त्रिपुरा	होजागिरी ।
सिक्किम	छू फाट नृत्य, सिकमारी, सिंघई चाम या स्नो लायन डांस, याक छाम, डेनजोंग नेनहा, ताशी यांगकू नृत्य, खूखूरी नाच, चुटके नाच, मारूनी नाच।
लक्षद्वीप	लावा, कोलकाई, परीचाकली।

सांगीतिक वाद्यों के

1.घन-वाद्य (Cube-Instrument):

इसमें डंडे, घंटियों, मंजीरे आदि शामिल किये जाते हैं जिनको आपस में ठोककर मधुर ध्वनि निकाली जाती है।

2.अवनद्ध-वाद्य (Percussion-Instrumental):

इसमें वे वाद्य आते हैं, जिनमें किसी पात्र या ढांचे पर चमड़ा मढ़ा होता है ।

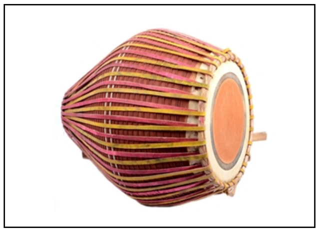

3.सुषिर-वाद्य (Wind Instrument):

ये किसी पतली नलिका में फूंक मारकर संगीतमय ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्र होते हैं ।

4.तत-वाद्य (String Instrument):

इसमें वे यंत्र शामिल होते हैं, जिनसे तारों में कम्पन्न उत्पन्न करके संगीतमय ध्वनि निकाली जाती है ।